दिनांक 17 जुलाई 2019

स्वच्छ भारत अभियान स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई

आवारा पशुओं की धरपकड़ है जारी, गौठान मे महिलाओं ने संभाला कमान

भिलाईनगर/नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त एसके सुंदरानी ने आवारा पशुओं एवं कुत्तों को पकड़ने के निर्देश निगम की विशेष टीम को दिए हैं! आयुक्त महोदय ने विगत दिनों भिलाई नगर रेलवे स्टेशन के समीप में महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं गौठान का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश जोन आयुक्त जोन क्रमांक 1 को दिए थे जिस पर कार्यवाही करते हुए जोन आयुक्त द्वारा गौठान स्थल पर पशुओं के उचित रखरखाव के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही है मुख्य द्वार पर गाय का चित्र बनाया गया है, मां बमलेश्वरी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं कमान संभालते हुए प्रातः 10:00 से सायं 6:00 बजे तक जो कि पशु को छुड़ाने का समय है इस स्थल पर रहती है , पशुओं के चारा के लिए विशेष प्रकार का बरसीम चारा आदि की तैयारी जोरों पर है, इनके पानी पीने के लिए वृक्ष के चारों ओर स्ट्रक्चर निर्माण किया जा रहा है, पशुओं से निकले हुए मल मूत्र के लिए बायो डाइजेस्टर यूनिट लगाया गया है, इस बायो डाइजेस्टर यूनिट में गोबर को डाला जाता है एवं इससे उत्तम खाद प्राप्त किया जा रहा है तथा गैस का उपयोग समीप में संचालित करने वाले होटल संचालक को प्रदाय किया जा रहा है पहले यह संचालक लकड़ी के इंधन के माध्यम से होटल संचालित करता था परंतु अब बायोगैस के उपयोग से कार्य कर रहा है!आवारा पशुओं की धरपकड़ के लिए कार्यवाही करते हुए जोन क्रमांक 1 अंतर्गत आने वाले नेहरू नगर, कोसा नगर टोल प्लाजा के समीप, अग्रसेन चौक के समीप एवं आसपास क्षेत्र में विचरण कर रहे 6 पशुओं को पकड़कर नवनिर्मित गौठान में छोड़ा गया! आवारा पशु के कारण यातायात में होने वाले परेशानी से आवागमन करने वाले को खासा दिक्कत का सामना करना पड़ता है, आवारा पशु के कारण कई दफा आवागमन करने वाले राहगीरों के एक्सीडेंट की भी संभावना बढ़ जाती है, रात्रि कालीन होने पर विभिन्न स्थानों पर बैठे हुए या रास्ते में विचरण करते हुए आवारा पशु उनके रंगों के आधार पर दिखाई नहीं देते हैं , तथा अचानक से रास्ता पार करते हैं जिसके कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है व कुछ पशु मानव को भी चोटिल कर देते हैं इन सब कारणों से आयुक्त सुंदरानी ने मुख्य मार्ग से आवारा पशुओं को हटाने को सर्वप्रथम प्राथमिकता देते हुए आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हुए हैं इसके परिपालन में निगम की टीम द्वारा रस्सी आदि की सहायता से आवारा पशुओं को पकड़ने का कार्य शुरू कर दिया है जिसे कॉउ कैचर के माध्यम से गौठान में पहुंचाया जा रहा है! भैंस खटाल संचालकों की बैठक में भी आयुक्त महोदय ने सख्त रूप से कहा था के आवारा पशुओं को यूं ही खुला न छोड़ें व खटाल संचालकों को 1 महीने का समय हटाने के लिए दिया गया है!

जनसम्पर्क अधिकारी

जल है तो कल है जल ही जीवन है!

शहरी गौठान
शहरी गौठान

आईये...एक कदम स्वच्छता की ओर बढ़ाएं..